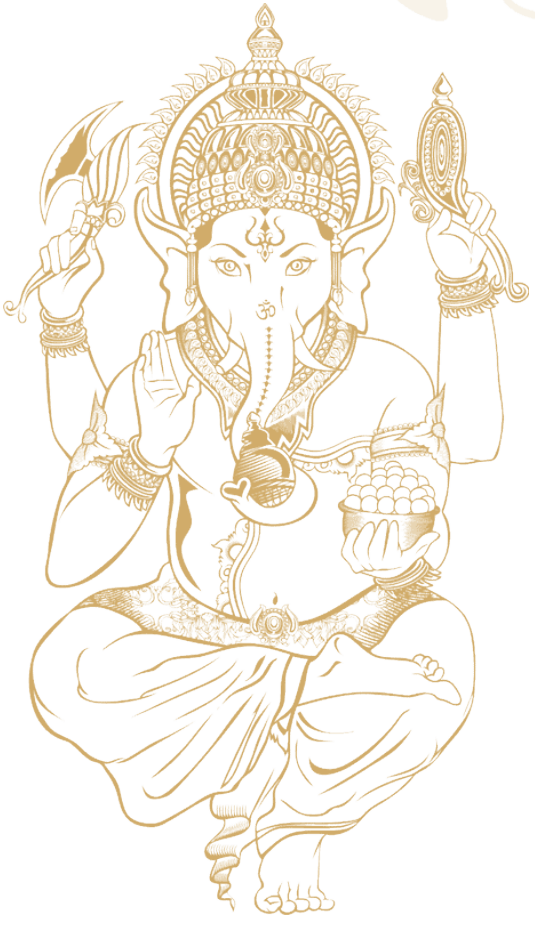

Mr. Ankit Joshi

05 Mar 1995

10:50 AM

Chamoli

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 121699910

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
05/03/1995	जन्म तिथि	**05/03/2026**
रविवार	दिन	गुरुवार
घंटे 10:50:00	जन्म समय	09:52:55 घंटे
घटी 10:36:08	जन्म समय(घटी)	08:14:50 घटी
India	देश	India
Chamoli	स्थान	Chamoli
उत्तर 30:22:00	अक्षांश	30:22:00 उत्तर
पूर्व 79:19:00	रेखांश	79:19:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:12:44	स्थानिक संस्कार	-00:12:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:35:32	सूर्योदय	06:34:58
18:13:39	सूर्यास्त	18:13:59
23:47:34	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:29

वृष	लग्न	मेष
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	मंगल
मेष	राशि	कन्या
मंगल	राशि-स्वामी	बुध
अश्विनी	नक्षत्र	हस्त
केतु	नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
2	चरण	1
ब्रह्म	योग	गण्ड
विष्टि	करण	गर
चे-चेतन	जन्म नामाक्षर	पू-पूजा
मीन	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन
क्षत्रिय	वर्ण	वैश्य
चतुष्पाद	वश्य	मानव
अश्व	योनि	महिष
देव	गण	देव
आद्य	नाड़ी	आद्य
सिंह	वर्ग	मूषक
31	गत/तत्कालिक वर्ष	32

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ
रोहिणी	1	13:10:17	वृष		
पू०भाद्रपद	1	20:22:30	कुंभ		
अश्विनी	2	04:25:15	मेष		
आश्लेषा	2	21:47:56	कर्क	व	
धनिष्ठा	1	23:39:27	मक		
ज्येष्ठा	2	20:27:03	वृश्चि		
उत्तराषाढ़ा	4	08:54:26	मक		
पू०भाद्रपद	1	21:06:54	कुंभ		अ
स्वाति	2	12:55:59	तुला	व	
अश्विनी	4	12:55:59	मेष	व	
उत्तराषाढ़ा	3	05:11:37	मक		

वर्ष - विवरण

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
लग्न			मेष	27:14:40	1	कृतिका
सूर्य			कुंभ	20:22:30	1	पू०भाद्रपद
चंद्र			कन्या	10:50:59	1	हस्त
मंगल		अ	कुंभ	07:48:53	1	शतभिषा
बुध	व	अ	कुंभ	24:51:13	2	पू०भाद्रपद
गुरु	व		मिथु	20:55:16	1	पुनर्वसु
शुक्र			मीन	04:12:01	1	उ०भाद्रपद
शनि			मीन	08:00:06	2	उ०भाद्रपद
राहु	व		कुंभ	14:44:55	3	शतभिषा
केतु	व		सिंह	14:44:55	1	पू०फाल्गुनी
मु			धनु	13:10:17	4	मूल

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:29

लग्न-चलित

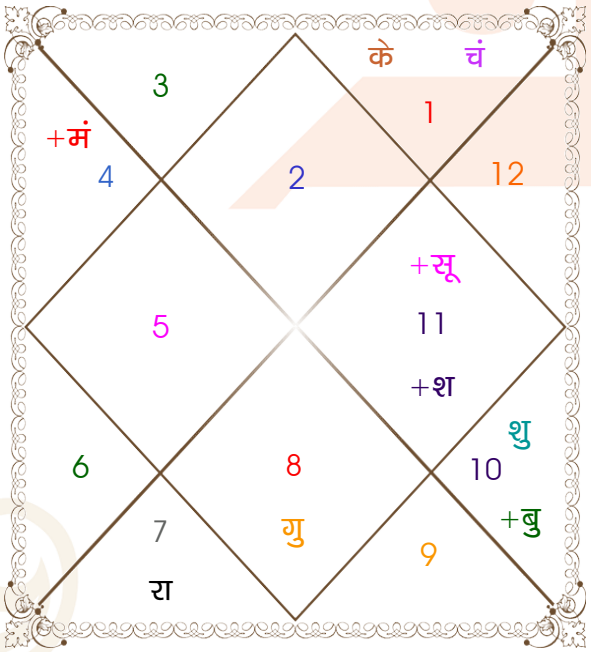

वर्ष लग्न कुंडली

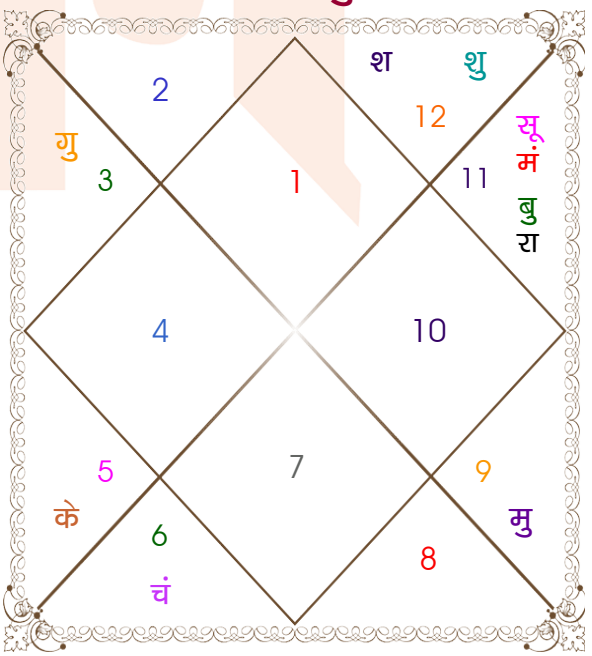

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

चंद्र - चंद्र - शनि	
17/03/2026 07:47	
04/05/2026 12:24	
शनि	24/03/2026 22:55
बुध	31/03/2026 18:46
केतु	03/04/2026 14:14
शुक्र	11/04/2026 15:01
सूर्य	14/04/2026 00:50
चंद्र	18/04/2026 01:14
मंगल	20/04/2026 20:42
राहु	28/04/2026 02:11
गुरु	04/05/2026 12:24

चंद्र - चंद्र - बुध	
04/05/2026 12:24	
16/06/2026 15:17	
बुध	10/05/2026 15:01
केतु	13/05/2026 03:23
शुक्र	20/05/2026 07:52
सूर्य	22/05/2026 11:36
चंद्र	26/05/2026 01:51
मंगल	28/05/2026 14:13
राहु	04/06/2026 01:27
गुरु	09/06/2026 19:26
शनि	16/06/2026 15:17

चंद्र - चंद्र - केतु	
16/06/2026 15:17	
04/07/2026 09:24	
केतु	17/06/2026 16:08
शुक्र	20/06/2026 15:10
सूर्य	21/06/2026 12:28
चंद्र	22/06/2026 23:59
मंगल	24/06/2026 00:50
राहु	26/06/2026 16:45
गुरु	29/06/2026 01:34
शनि	01/07/2026 21:02
बुध	04/07/2026 09:24

चंद्र - चंद्र - शुक्र	
04/07/2026 09:24	
24/08/2026 02:54	
शुक्र	12/07/2026 20:19
सूर्य	15/07/2026 09:12
चंद्र	19/07/2026 14:39
मंगल	22/07/2026 13:41
राहु	30/07/2026 04:18
गुरु	05/08/2026 22:38
शनि	13/08/2026 23:24
बुध	21/08/2026 03:53
केतु	24/08/2026 02:54

चंद्र - चंद्र - सूर्य	
24/08/2026 02:54	
08/09/2026 08:09	
सूर्य	24/08/2026 21:10
चंद्र	26/08/2026 03:36
मंगल	27/08/2026 00:55
राहु	29/08/2026 07:42
गुरु	31/08/2026 08:24
शनि	02/09/2026 18:14
बुध	04/09/2026 21:59
केतु	05/09/2026 19:17
शुक्र	08/09/2026 08:09

चंद्र - मंगल - मंगल	
08/09/2026 08:09	
20/09/2026 18:27	
मंगल	09/09/2026 01:33
राहु	10/09/2026 22:18
गुरु	12/09/2026 14:04
शनि	14/09/2026 13:18
बुध	16/09/2026 07:34
केतु	17/09/2026 00:58
शुक्र	19/09/2026 02:40
सूर्य	19/09/2026 17:35
चंद्र	20/09/2026 18:27

चंद्र - मंगल - राहु	
20/09/2026 18:27	
22/10/2026 17:28	
राहु	25/09/2026 13:30
गुरु	29/09/2026 19:46
शनि	04/10/2026 21:13
बुध	09/10/2026 09:53
केतु	11/10/2026 06:37
शुक्र	16/10/2026 14:27
सूर्य	18/10/2026 04:48
चंद्र	20/10/2026 20:44
मंगल	22/10/2026 17:28

चंद्र - मंगल - गुरु	
22/10/2026 17:28	
20/11/2026 03:16	
गुरु	26/10/2026 12:23
शनि	31/10/2026 00:20
बुध	04/11/2026 00:55
केतु	05/11/2026 16:41
शुक्र	10/11/2026 10:19
सूर्य	11/11/2026 20:25
चंद्र	14/11/2026 05:14
मंगल	15/11/2026 21:00
राहु	20/11/2026 03:16

चंद्र - मंगल - शनि	
20/11/2026 03:16	
23/12/2026 20:54	
शनि	25/11/2026 11:28
बुध	30/11/2026 06:10
केतु	02/12/2026 05:23
शुक्र	07/12/2026 20:20
सूर्य	09/12/2026 12:49
चंद्र	12/12/2026 08:17
मंगल	14/12/2026 07:31
राहु	19/12/2026 08:57
गुरु	23/12/2026 20:54

चंद्र - मंगल - बुध	
23/12/2026 20:54	
23/01/2027 01:19	
बुध	28/12/2026 03:32
केतु	29/12/2026 21:47
शुक्र	03/01/2027 22:32
सूर्य	05/01/2027 10:45
चंद्र	07/01/2027 23:07
मंगल	09/01/2027 17:22
राहु	14/01/2027 06:02
गुरु	18/01/2027 06:37
शनि	23/01/2027 01:19

चंद्र - मंगल - केतु	
23/01/2027 01:19	
04/02/2027 11:36	
केतु	23/01/2027 18:43
शुक्र	25/01/2027 20:26
सूर्य	26/01/2027 11:21
चंद्र	27/01/2027 12:12
मंगल	28/01/2027 05:36
राहु	30/01/2027 02:21
गुरु	31/01/2027 18:07
शनि	02/02/2027 17:21
बुध	04/02/2027 11:36

चंद्र - मंगल - शुक्र	
04/02/2027 11:36	
11/03/2027 23:51	
शुक्र	10/02/2027 09:39
सूर्य	12/02/2027 04:16
चंद्र	15/02/2027 03:17
मंगल	17/02/2027 05:00
राहु	22/02/2027 12:50
गुरु	27/02/2027 06:28
शनि	04/03/2027 21:24
बुध	09/03/2027 22:09
केतु	11/03/2027 23:51

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा उत्साह एवं परिश्रम पूर्वक आपके समस्त शुभ एवं सांसारिक कार्य सम्पन्न होंगे। साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक स्थिति भी इस समय अच्छी रहेगी तथा मन में शान्ति एवं सन्तुष्टि बनी रहेगी। इस वर्ष में व्यक्तिगत सुख शान्ति तथा समृद्धि बनी रहेगी तथा पारिवारिक जनों से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा। संतति पक्ष से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा अपने कार्य क्षेत्र में उन्नतिशील रहेंगे। साथ ही इस वर्ष में आपको पुत्र संतति की प्राप्ति भी हो सकती है। धर्म के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों को आप सम्पन्न करते रहेंगे। साथ ही धार्मिक नेताओं से सम्पर्क एवं तीर्थयात्रा के भी योग बनेंगे। इस समय आपकी बुद्धि तीक्ष्ण रहेगी तथा सभी लोग आपकी बुद्धिमता से प्रभावित रहेंगे तथा आप पर पूर्ण विश्वास करेंगे। अतः आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा तथा यश में अभिवृद्धि होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए भी यह वर्ष उत्तम रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी इच्छित उन्नति एवं विस्तार होगा तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त होंगे। साथ ही राज्य या सरकार के द्वारा आपको कोई विशिष्ट सम्मान भी प्राप्त हो सकता है। नौकरी या राजनीति में भी इस समय आपको महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं आपको यथोचित सम्मान प्रदान करेंगे। शत्रु या विरोधी पक्ष को इस समय आप पराजित करेंगे तथा नवीन आय स्रोतों में वृद्धि करके आर्थिक रूप से सुदृढ़ रहेंगे। साथ ही कोई विशष्ट लाभ भी हो सकता है। अतः यह समय आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्य शाली रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक आपका समय व्यतीत होगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य उतम रहेगा तथा मानसिक प्रसन्नता भी बनी रहेगी। साथ ही आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न होंगे। इस समय आपकी बुद्धि में तीव्रता रहेगी तथा सभी लोग आपकी बुद्धि का प्रभाव स्वीकार करेंगे। धर्म तथा धार्मिक कार्यों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा देवता एवं ब्राहमणों की आप नियम पूर्वक पूजा तथा सेवा करने में तत्पर रहेंगे। इस समय आपको संतति पक्ष से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा अपने कार्य क्षेत्र में वे पूर्ण सफलता अर्जित करेंगे। साथ ही पुत्र संतति की भी इस समय प्राप्ति की संभावना रहेगी। इस वर्ष में आपका धनार्जन प्रचुर मात्रा में रहेगा तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। अतः आर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति तथा सफलता की दृष्टि से वर्ष अनुकूल रहेगा। इस समय आपके सौभाग्य में वृद्धि होगी तथा अधिकांश विगत रूके हुए कार्यो में भी आपको सफलता मिलेगी। नौकरी या राजनीति में आपके वरिष्ठ अधिकारी तथा नेता आपसे सन्तुष्ट रहेंगे फलतः किसी उच्च तथा प्रभावशाली पद पर आपकी उन्नति हो सकती है। साथ ही इनसे आपको पूर्ण सहयोग एवं लाभ भी मिलेगा जिससे आपका यश दूर दूर तक व्याप्त होगा। इसके अतिरिक्त सभी पारिवारिक जनों , बन्धु एवं मित्रों से भी आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे वांछित सहयोग तथा लाभ मिलता रहेगा। अतः आपका लिए यह वर्ष शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा।